संपादकीय

सहमति से समाधान

ऐसे वक्त में जबकि देश में कोरोना महामारी की दूसरी मारक लहर का कहर थमा नहीं है, एक बार फिर किसान आंदोलन में तेजी चिंता बढ़ाने वाली है। यह संभव नहीं है कि छब्बीस मई को किसान आंदोलन के छह महीने पूरे होने पर काला दिवस मनाने और धरने -प्रदर्शन की गतिविधियां कोविड प्रोटोकॉल के तहत हुई होंगी। आवेश के माहौल में संयम की बात करना बेमानी है। दिल्ली की दहलीज पर हरियाणा, पंजाब व उत्तर प्रदेश के किसानों के जमा होने की खबरें चिंताजनक हैं। भले ही शहरों में कोरोना का कहर कम हो गया हो लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों, खासकर पंजाब से संक्रमण की चिंता बढ़ाने वाली खबरें आ रही हैं। इस संकट काल में ऐसे आयोजनों से संक्रमण की रफ्तार बढ़ने की आशंका है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पिछले महीनों में राज्यों के चुनावों के दौरान आयोजित रैलियों व धार्मिक आयोजनों से स्थिति खराब ही हुई है। लेकिन तथ्य यह भी है कि किसान रबी की फसल की जिम्मेदारी से मुक्त है और खरीफ की बुवाई में अभी समय बाकी है। इस समय को किसान नेता ठंडे पड़े आंदोलन में प्राण फूंकने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। जाहिर सी बात है कि कोरोना संकट से जूझने में लगी सरकार का ध्यान आंदोलन की वजह से भटकेगा। जिस तरह आनन फानन में बारह राजनीतिक दलों ने किसान आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की है, उसके राजनीतिक निहितार्थ समझे जाने चाहिए। ग्यारह दौर की वार्ता, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कमेटी बनाया जाना और किसान संगठनों द्वारा उसे गंभीरता से नहीं लेने जैसे घटनाक्रम किसान आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। अब नये सिरे से वार्ता को अंजाम तक पहुंचाने की कोशिश होनी चाहिए। जनवरी में खत्म हुई बातचीत से अब आगे बढ़ने की जरूरत है।

दरअसल, सरकार ने तीनों विवादित कृषि कानूनों को अगले अट्ठारह माह तक स्थगित करने की बात कही थी, लेकिन किसान इस बात पर अड़े रहे कि तीनों कानूनों को खत्म किया जाये। वे न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने तथा स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को पूर्ण रूप से लागू करने की मांग करते रहे हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार को वक्त की नजाकत को समझते हुए अभिभावक की भूमिका निभानी चाहिए। ऐसे वक्त में जब देश की अर्थव्यवस्था ठीक नहीं है और किसानों को लगता है कि इन सुधारों से उनकी आय में इजाफा नहीं होगा, तो सरकार द्वारा उदारता का व्यवहार किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों को भी ऐसे समझौते को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे यह संदेश न जाये कि सरकार हारी है। यानी फैसले किसी पक्ष की जीत-हार से इतर देश के हित में हों। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारों का भी नैतिक दायित्व है कि विरोध के स्वरों को भी तरजीह दी जाये। सरकार को भी जिद छोड़कर व्यावहारिक धरातल की चुनौतियों पर गौर करना चाहिए। यह आंदोलन पंजाब व हरियाणा में ज्यादा प्रभावी है, लेकिन इन मांगों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। अच्छे माहौल में दोनों पक्ष यदि लचीला रवैया अपनाएंगे तो जरूर कोई सम्मानजनक रास्ता निकलेगा। यह आंदोलन ऐसे वक्त में फिर उभरा है जब विपक्ष कोरोना संकट से निपटने में तंत्र की नाकामी बताकर हमलावर है। जाहिरा तौर पर विपक्षी दल किसान आंदोलन के सहारे राजनीति चमकाने की कोशिश करेंगे। मगर ऐसा न हो कि इस नाजुक वक्त में आंदोलन से कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर हो। वह भी तब जब स्वास्थ्य विशेषज्ञ तीसरी लहर आने की आशंका जता रहे हैं। यह भी हकीकत है कि किसानों को लोकतांत्रिक ढंग से शांतिपूर्ण आंदोलन करने का अधिकार है। सरकार को भी बंद बातचीत की प्रक्रिया को शुरू करके अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में बढ़ना चाहिए। दोनों ही पक्षों की ओर से गंभीरता व जिम्मेदारी दिखाने की जरूरत है।

आने वाला है 100 रुपये का नया नोट, आरबीआई जारी करेगा वार्निश लगे बैंक नोट

नई दिल्ली । अभी-अभी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया 100 रुपये के वार्निश लगे नोट जारी करने की तैयारी में है। खबर है कि अब 100 रुपए का नोट खूब चमकदार होगा। नोट में पहले भी चमक थी, लेकिन अब इसे और बढ़ाने का फैसला किया गया है। अभी इसे ट्रायल के आधार पर जारी किया जाएगा। बाद में इसे बड़े पैमाने पर उतारने की तैयारी है। वार्निश लगे नोट उतारने के पीछे वजह नोटों को टिकाऊ और सुरक्षित बनाना है।

फील्ड ट्रायल सफल रहता है तो वार्निश लगे नोट धीरे-धीरे उतारे जाएंगे और पुराने नोट हटा लिए जाएंगे। उनकी जगह पर नए चमकदार नोट आ जाएंगे। वार्निश चढ़े नोट के बारे में रिजर्व बैंक ने अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है। आरबीआई ने नोटों के लिए कई प्लान बनाए हैं जिसमें वार्निश लगे नोट भी एक है।

रिजर्व बैंक नोटों को इस तरह से डिजाइन करना चाहता है जिससे कि नेत्रहीन लोग भी हाथ में लेकर पहचान सकें। रिपोर्ट में आरबीआई ने कहा है, भारतीय नोट में नेत्रहीन लोगों की सुविधा के लिए कई इंतजाम किए गए हैं। जैसे इंटेग्लियो प्रिंटिंग, टेक्टाइल मार्क, नोटों के अलग-अलग साइज, नोटों पर बड़े अक्षरों में शब्द लिखना, नोटों के अलग-अलग रंग, मोनोक्रोमेटिक कलर और नोटों का पैटर्न इसमें शामिल हैं।

नोटों की क्वालिटी बेहतर हो, इसके लिए आरबीआई ने मुंबई में बैंकनोट क्वालिटी एस्योरेंस लेबोरेटरी की स्थापना की है। इस लेबोरेटरी का काम नोटों को अपग्रेड करने और स्टैंडर्ड बढ़ाने पर जोर देना है। देश के अलग-अलग प्रेस नोट में नोट छपते हैं, उन सबका स्टैंडर्ड एक हो और सभी सुरक्षा के मानकों का ध्यान रखा जा सके, बैंकनोट क्वालिटी एस्योरेंस लेबोरेटरी इस पर काम करता है।

सालाना रिपोर्ट में आरबीआई ने बताया है, पिछले साल की तुलना में इस साल नकली नोटों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। 10 के जाली नोट 20.2 परसेंट, 20 के जाली नोट 87.2 परसेंट और 50 के जाली नोट 57.3 परसेंट पकड़े गए हैं। 500 और 2,000 के नकली नोट भी पकड़े गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 500 रुपये (नोटबंदी के बाद शुरू हुए नए नोट) के जाली नोटों में 121.10 परसेंट और 2,000 के जाली नोटों में 21.9 परसेंट की तेजी देखी जा रही है। हालांकि एक अच्छी बात यह है कि 100 के जाली नोटों में पहले से गिरावट है और इसमें 7.5 परसेंट की कमी देखी गई है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि 100 के नए नोट हाल में जारी किए गए हैं।

गौर हो कि 1 जुलाई, 2020 से 31 मार्च 2021 तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग पर कुल 4,012.1 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पिछले साल जुलाई 2019 से जून 2020 तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग पर 4,377.8 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। जाली नोटों के बारे में रिजर्व बैंक ने कहा कि कुल नकली नोटों में 3.9 परसेंट रिजर्व बैंक में जबकि 96.1 परसेंट अन्य बैंकों में पाए गए थे।

लॉकडाउन के कारण राजस्व में कमी से सरकार पर मौजूदा वित्त वर्ष में उधार 55 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण कई राज्यों में करीब दो महीने से लागू लॉकडाउन से भारी राजस्व संकट के बीच केंद्र सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में अबतक 2.1 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है, जो एक साल पहले की तुलना में 55 फीसदी अधिक है। केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि चुनौती के इस समय में आरबीआई ने बांड पर प्रतिफल का अच्छा प्रबंध किया जिससे सरकार के लिए कर्ज लेने की लागत कम रही। उन्होंने कहा कि 2.1 लाख करोड़ रुपये का यह कर्ज, पूरे वर्ष के लिएसरकार द्वारा लिए जाने वाले12.05 लाख करोड़ रुपये कर्ज के बजट अनुमान का 17.5 प्रतिशत तथा पहली क्षमाही के में जुटाये जारने वाले7.24 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का 30 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा इस वित्त वर्ष में लिया गया अब तक का कर्ज पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 55 प्रतिशत अधिक है। इसके लिए अधिकांश राज्यों में लॉकडाउन के चलते राजस्व में कमी जिम्मेदार है।

व्हाट्सएप पर 3 रेड टिक का मतलब सरकार पढ़ रही है आपकी चैट? इस वायरल मैसेज पर कंपनी ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली। सरकार और सोशल मीडिया में विवादों के बीच आज कल एक मैसेज काफी वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे इस मैसेज में कहा गया है कि लोगों की चैट अब प्राइवेट नहीं है और सरकार उसे पढ़ सकती है। इसमें ये भी बताया गया है कि अगर सरकार ने आपका मैसेज पढ़ा है तो आपको नया टिक या कलर दिखेगा। व्हाट्सएप पर ही वायरल हो रहे इस फेक मैसेज में दावा किया जा रहा है कि अब एक तीसरा टिक जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि अगर सरकार ने मैसेज को पढ़ा है तो तीसरा टिक

नजर आएगा। अगर सरकार कार्रवाई करना चाहती है तो एक ब्लू टिक और दो रैड टिक नज़र आएंगे और तीसरे रेड टिक का मतलब है कि यूज़र को कोर्ट से समन भेजा जा रहा है। वहीं अब व्हाट्सएप ने खुद ही अपने यूजर्स को इस फेक मैसेज के बारे में सावधान किया है। कंपनी ने इसे गलत बताया है और लोगों से इस तरह के मैसेज से दूर रहने को कहा है। बता दें कि आजकल व्हाट्सएप और सरकार के बीच कानूनी विवाद चल रहा है। व्हाट्सएप ने केंद्र सरकार के नए ढ्ढञ्ज रूल्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इसके बाद ही फेक मैसेज के जरिए लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि वॉट्सऐप यूज़र्स को ऐसे किसी मैसेज पर विश्वास नहीं करना चाहिए, क्योंकि कंपनी ने खुद इसे फेक करार दिया है। व्हाट्सएप मे कहा है कि यूज़र्स के बीच वॉट्सऐप पर होने वाली चैट एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड होती है। इसका मतलब है कि कोई भी इस चैट को नहीं पढ़ सकता। इस तक किसी सरकार या थर्ड पार्टी की पहुंच नहीं है। व्हाट्सएप ने लोगों से इस तरह के किसी मैसेज को फॉरवर्ड नहीं करने और इसकी रिपोर्ट करने को कहा है।

जानकारी के अनुसार अभी व्हाट्सएप चैट्स में दो टिक दिखते हैं। मैसेज भेजने पर अगर एक टिक दिखता है तो इसका मतलब है मैसेज भेज दिया गया है, लेकिन दूसरे यूज़र को प्राप्त नहीं हुआ। मैसेज प्राप्त होने पर दो टिक दिखते हैं और मैसेज पढ़ने पर दो टिक नीले रंग के हो जाते हैं।

विस्तारा के बेड़े में शामिल हुआ खुद का पहला ए320 निओ विमान

नई दिल्ली। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस की संयुक्त उद्यम वाली विमान सेवा कंपनी विस्तारा के बेड़े में आज उसका पहला खुद का खरीदा हुआ एयरबस ए320 निओ विमान शामिल हुआ। एयरलाइन ने कहा कि वीटी-टीक्यूई के रूप में पंजीकृत यह विमान फ्रांस के टूलूज स्थित एयरबस के संयंत्र से शनिवार सुबह दिल्ली पहुंचा। विस्तारा ने वर्ष 2018 में विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस के साथ तेरह ए320 निओ विमानों की खरीद के लिए समझौता किया था। उसी के तहत पहला विमान उसके बेड़े में शामिल हुआ है। इसके अलावा एक ए320निओ विमान पट्टे पर उसके बेड़े में है। नये ए320 निओ विमान के आने के बाद विस्तारा के पास अब 46 विमान हो गये हैं। इनमें 36 ए320, दो ए320निओ, दो बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर और छह बोइंग 737-800एनजी विमान हैं। साथ ही उसके पास तीन अपने विमान हो गये हैं। दोनों ड्रीमलाइनर विमान उसने खरीदे हैं। एयरलाइंस ने बताया कि नये ए320 निओ विमान जिन्हें वह अपने बेड़े में शामिल कर रही है, ज्यादा लंबी उड़ान भर सकते हैं। उड़ान के समय इनका अधिकतम वजन 77 टन हो सकता है जिससे लंबी दूरी के क्षेत्रीय मार्गों के लिए ये उपयुक्त हैं। इस विमान में 164 सीट हैं – आठ बिजनेस श्रेणी में, 24 प्रीमियम इकोनॉमी श्रेणी में और 132 इकोनॉमी श्रेणी में।

जून में 9 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के समय में सुरक्षित शारीरिक दूरी के नियम का पालन करना बेहद जरूरी है। इसलिए ग्राहकों को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के जरिए अपने बैंकिंग कार्य निपटाने की सलाह दी है। लेकिन अगर ब्रांच जाना जरूरी हो, तो ग्राहकों को यह जरूर जान लेना चाहिए कि जून में किस दिन बैंक बंद रहेंगे। जारी बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट के मुताबिक जून में बैंक 9 दिन बंद रहेंगे। ऐसे में इन छुट्टियों के बारे में आपको जानकारी होना आवश्यक है। इसी के आधार पर आप बैंक जाने की प्लानिंग करें। वरना आपको थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

हालांकि जून महीने में ज्यादातर छुट्टियां रेगुलर रविवार और शनिवार के साप्ताहिक अवकाश ही हैं। वहीं कुछ स्थानीय त्योहारों के कारण उस स्थान के बैंक जरूर बंद रहेंगे।

छह जून, 13 जून, 20 जून और 27 झजून को रविवार है, इसलिए इन दिनों सभी राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त 12 जून को माह का दूसरा शनिवार है और 26 जून को चौथा शनिवार है, इसलिए इन दिनों भी सभी राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

- 06 जून- रविवार
- 12 जून- दूसरा शनिवार
- 13 जून- रविवार
- 15 जून- मिथुन संक्रांति और रज पर्व- इजवाल-मिजोरम, भुवनेश्वर में बैंक बंद रहेंगे
- 20 जून- रविवार
- 25 जून- गुरु हरगोविंद जी की जयंती- जम्मू और श्रीनगर के बैंक बंद
- 26 जून- दूसरा शनिवार
- 27 जून- रविवार
- 30 जून- रेमना नी- इजवाल में बैंक बंदो

रणवीर सिंह फिल्म 'सीता' में बन सकते हैं 'रावण'

अभिनेता रणवीर सिंह को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह से एक पौराणिक पृष्ठभूमि पर बनने जा रही फिल्म के लिए संपर्क किया गया है. यह फिल्म 'बाहुबली' के राइटर केवी विजेंद्र प्रसाद द्वारा लिखी गई है. इस फिल्म का टाइटल है- 'सीता'. रणवीर के फैंस को यह जानकर बहुत हैरानी होगी कि उनके चहेते स्टार को अब बड़े पर्दे पर 'रावण' के तौर पर दिखाने की तैयारी चल रही हैं. अगर सब ठीक रहा तो रणवीर फिल्म 'सीता' में रावण का किरदार निभाते हुए नजर आ सकते हैं. इस बीच यह भी खबरें है कि दीपिका पादुकोण, ऋतिक रोशन और महेश बाबू को लेकर भी एक पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म की तैयारी चल रही हैं, जिसका टाइटल रामायण हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि रणवीर सिंह को जिस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है, वह रामायण से कैसे अलग है. तो आपको बता दें कि जब भी हमने टीवी पर राम और सीता की कहानी देखी है, उसे हमेशा ही भगवान राम के परिपेक्ष्य से दिखाया गया है. फिल्म सीता के जरिए पहली बार दर्शक उस भाव को महसूस करेंगे, जो कि सीता मां ने किया था. इस फिल्म को सीता मां के परिपेक्ष्य से दर्शाया जाएगा.

वहीं, सीता के किरदार के लिए करीना कपूर और आलिया भट्ट को लेकर विचार चल रहा है. सूत्रों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि फिल्म सीता को बड़े पैमाने पर स्थापित करने की तैयारी चल रही है.

प्रोजेक्ट चुनते समय मैं ऐसी चीजें चुनता हूं जो मुझे सोने न दें : सुनील ग्रोवर

अभिनेता सुनील ग्रोवर ने सनफ्लावर में अपनी भूमिका के लिए लगभग 8.1 किलो वजन कम किया है। उनकी ये थ्रिलर सीरीज जल्द रिलीज हो जाएगी।

उन्होंने अपनी नई परियोजना के बारे में वादा करते हुए कहा यह तांडव या इससे पहले की किसी भी चीज के साथ मैंने जो किया है, उससे बहुत अलग है। एक प्रोजेक्ट चुनते समय, मैं यह तय करता हूं कि मैं ऐसी चीजें चुनूं जो मेरी नींद उड़ा दें और शूटिंग से कुछ दिन पहले मुझे सोने न दें, और फिर मेरा काम धमाकेदार होता है। अपने चरित्र सोनू को रोमांचक बताते हुए, सुनील ने बाकी कलाकारों के बारे में कहा, हमें रणवीर शौरी, गिरीश कुलकर्णी, आशीष विद्यार्थी, मुकुल चड्ढा और शोनाली नागरानी जैसे कलाकारों में कुछ जबरदस्त कलाकार मिले, साथ ही मेरे निर्देशक विकास बहल ने बहुत ही जबरदस्त काम किया है।

आज का राशिफल

मेष : आज आपको अपने गुस्से काबू में रखने के लिए सलाह है। कोई भी कार्य या संबंध बिगाड़ने के पीछे ये गुस्से निमित्त बन सकते हैं। शरीर में स्फूर्ति का अभाव रहेगा।

वृषभ : कार्य सफलता में विलंब और शारीरिक अस्वस्थता के कारण आप हताशा की भावना का अनुभव करेंगे। अत्यधिक काम के बोझ से थकान और मानसिक बेचैनी रहेगी।

मिथुन : शारीरिक व मानसिक ताजगी और प्रफुल्लता का अनुभव होगा। कुटुंबीजनों तथा मित्रों के साथ प्रवास एवं पार्टी का आयोजन होगा। मनोरंजन के लिए सभी सामग्री आज आपको उपलब्ध होगी।

कर्क : पारिवारिक सदस्यों के साथ घर में सुख-शांति से दिन व्यतीत करेंगे। नौकरी करनेवालों को लाभ होगा। प्रतिस्पर्धियों को परास्त कर सकेंगे। कार्य में यश मिलेगा।

सिंह : लेखन, साहित्य के क्षेत्र में कुछ नए सृजन करने की आपको प्रेरणा मिलेगी। विद्यार्थी अध्ययन में उत्तम प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रणय में सफलता और प्रिय व्यक्ति यों के साथ की मुलाकात आपका मन हर्षित करेगा।

कन्या : आज के दिन हरेक कार्य में प्रतिकूलता का अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा। मन चिंताग्रस्त रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ अनबन होने से कुटुंब में अशांति रहेगी।

तुला : शुभ या धार्मिक अवसरों पर यात्रा प्रवास का आयोजन होगा। भाई-बंधुओं के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में घरेलू प्रश्नों की चर्चा होगी।

वृश्चिक : पारिवारिक कलह- द्वेष का अवसर न आए, इसका ध्यान रखें। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमियों से बचें। विद्या प्राप्ति में विद्यार्थियों को अवरोध आएगा।

धनु : आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। किसी तीर्थयात्रा पर जाएँगे। सगे संबंधियों और मित्रों के आगमन से मन खुश रहेगा।

मकर : अधिक परिश्रम में कम सफलता मिलने से निराशा की भावना पैदा होगी। पारिवारिक वातावरण भी अशांत रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी शिकायत रहेगी।

कुंभ : आज आप नए कार्य की शुरुआत या उसकी योजना बना सकेंगे। नौकरी या व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। स्त्री मित्र आपकी प्रगति में सहायक बनेगी।

मीन : नौकरी या व्यवसाय में सफलता पाने से तथा उच्च पदाधिकारियों के प्रोत्साहक व्यवहार से आप अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

मल्टी ग्रेन चीले से मिलेगा फोलिक एसिड, जानिए विधि

मल्टी ग्रेन यानी मिक्स दाल का आटा सेहत के लिए पौष्टिक होता है। मल्टीग्रेन आटे की रोटियां खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। मल्टी ग्रेन आटा खाना से कमजोरी महसूस नहीं होती है और शरीर भी एक्टिव रहता है। डायबिटीज मरीजों के लिए मल्टी ग्रेन आटा बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। लॉकडाउन के दौरान आप इसके चीले भी बना सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं मल्टी ग्रेन आटे के चीले-

सामग्री-

बेसन, बाजरे का आटा, गेहूं का आटा यह तीनों आटे एक चौथाई कप, पानी- एक चौथाई कप, हरा धनिया आधी कटोरी, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टमाटर, एक चौथाई कप किसा हुआ पनीर, आधा कप अमेरिकन दाने, 1 चम्मच मूंगफली का तेल, स्वादानुसार नमक, 1/2 लाल मिर्च, आधी कटोरी बारीक प्याज, आधा चम्मच हल्दी।

विधि-

सबसे पहले बेसन, गेहूं और बाजरे के आटे को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद हरी मिर्च, प्याज, हरा धनिया, टमाटर, अमेरिकन कॉर्न, लाल मिर्च, हल्दी और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। आखिरी में थोड़ा सा पानी डालकर एक जैसा मिक्स कर लें।

फ्राय पेन पर थोड़ा तेल डालकर अच्छे से फैला दें। पेन गरम होने के बाद आप घोल को थोड़ा सा तवे पर डालकर फैला दें और सिकने दें। दोनों तरफ से तेल लगाकर कुरकुरे होने तक सेंक लें। लीजिए आपका मल्टी ग्रेन चीला तैयार है। अब गरम-गरम चीला हरी चटनी और दही के साथ सर्व कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 94

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे टोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

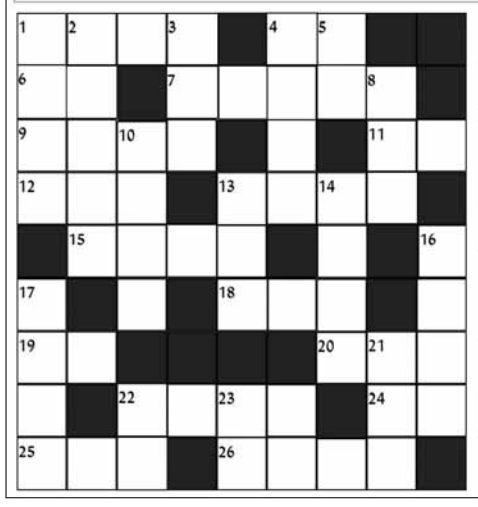

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 93 का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सू-दोकू- 94

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.93का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6